

# पर्यावरण मित्र

## Friends of Environment



Issue # 1

September 2004 - July 2005

### President's address

Dear Paryavaran Mitra,

As you know Paryavaran Mitra (Friends of the Environment), a NGO was constituted as a society on 24th September 2004 with its headquarters in Hind Lamps Factory Colony at Shikohabad (Uttar Pradesh). The purpose of this NGO is to seek solutions to air, water, land and noise pollution.

It does not claim any expertise except commitment towards its single-minded goal the environment. If you are committed, you are one of us.

This is our first issue of Paryavaran Mitra Newsletter.

The objectives of this newsletter are to bring us together as one family and to keep you abreast with the activities so that we can interact with each other to arrive at answers to core issues.

Dear Mitra, we would like your contribution in whatever way you can, generating more members, sharing ideas and conducting activities.

This is a clarion call to all likeminded people to come together before it is too late.

Awaiting your feedback on this newsletter and activities.

May our planet bloom,

Kiran Bajaj



“प्रदूषणात् स्यादवनी विमुक्ता  
शरीर-वाणी-हृदयं पवित्रम्।  
अग्निः शुचिर्वातु सुगन्धवाहः  
जलं नदीनां भवतु प्रसन्नम्।।  
—पर्यावरण शोधनम्

The earth be free from pollution  
Body, speech and heart be pure  
Fire be auspicious and air with fragrance  
And waters of rivers be clean.  
- Environment Care”



### अध्यक्ष का वक्तव्य

प्रिय पर्यावरण मित्र,

आप सबको विदित ही है कि 'पर्यावरण मित्र' स्वयंसेवी संस्था का गठन 24 सितम्बर 2004 को किया गया। इसका मुख्यालय हिन्द लैम्प्स परिसर शिकोहाबाद (उ.प्र.) में है। इस संस्था का उद्देश्य हवा, पानी, पृथ्वी तथा ध्वनि के प्रदूषण कम करना है।

यह संस्था अपनी किसी दक्षता का दावा नहीं करती। यदि आप पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं तो आप हम में से एक हैं।

यह हमारे पर्यावरण मित्र पत्रिका का प्रथम अंक है। इस पत्रिका का उद्देश्य समस्त सदस्यों के साथ एक बड़ा कुटुंब बनाना है, जिससे हम आपस में संवाद स्थापित कर सकें तथा मुख्य मुद्दों के हल मिलकर निकाल सकें।

प्रिय मित्र, हम चाहते हैं कि आपका सहयोग हमें हर रूप में मिल सके, आप इससे जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित करें और ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनायें।

यह समय की पुकार है कि सभी समान विचार वाले एकत्र हों जिससे वर्तमान और भावी पीढ़ी के लिए देर न हो जाये।

इस पत्रिका के प्रवेशांक एवं पर्यावरण मित्र की गतिविधियों पर आपकी प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा एवं हरित पृथ्वी की कामना के साथ,

किरण बजाज

## Corporate Social Responsibility

### Team Spirit

BAJAJ ELECTRICALS LTD:

Bajaj Electricals Ltd. is our first corporate Paryavaran Mitra. Each branch of Bajaj Electricals has formed a **Paryavaran Mitra Parivar consisting of a working committee**; so they are now addressed as Guwahati Parivar, Patna Parivar and so on based on their location. There are 22 parivars in all. Working Committees are formed in most branches, which meet on a monthly basis to discuss the current issues regarding environment and future steps for action. Cleanliness in all branches is given top priority and all the premises are smoke free zones. Efforts are being made to make them tobacco free zones also.

The membership drive is on in full swing in all its branches with the employees relentlessly trying to enrol as many members as possible.

On 26<sup>th</sup> January'2005, Mr. Shekhar Bajaj, Chairman and Managing Director of Bajaj Electricals and 30 employees participated in the popular **Mumbai Marathon** covering a distance of 7kms. They wore T-shirts and caps with the logo of Parayavaran Mitra on it to spread the message of environment protection. A sponsorship of Rs. 1,55,000 was given to Paryavaran Mitra for its cause.



मुंबई मैराथन में भाग लेते हुए श्री शेखर बजाज  
Mr. Shekhar Bajaj participating in the Mumbai Marathon.

On 4<sup>th</sup> June'05, **World Environment Day** Celebrations were undertaken in all Bajaj Electricals branches, which entailed cleaning of the office premises by the staff and discussions on how to prevent wastage of paper, electricity and water and protect the surrounding environment. This generated a number of suggestions to prevent air, water and noise pollution. Every member was gifted an indoor plant by Paryavaran Mitra as a token of appreciation for their valuable contribution.

It is worth mentioning that on this occasion the staff of all branches utilized half their working Saturday cleaning their premises and individual work areas. And this will be an ongoing activity, once in 3 months.

One major way in which Bajaj Electricals is trying to spread the message of Paryavaran Mitra is through a Powerpoint Presentation in every seminar, dealer meet along with our banners and promotional materials.

## व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व

### टीम भावना :

बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड :

पर्यावरण के लिए बजाज इलेक्ट्रिकल्स उद्योग जगत में प्रथम मित्र है। बजाज इलेक्ट्रिकल्स की प्रत्येक शाखा ने 'पर्यावरण मित्र' का गठन किया है जिसकी अपनी-अपनी कार्य समितियाँ हैं। स्थान के नाम के आधार पर उनके नाम हैं जैसे गुवाहाटी परिवार, पटना परिवार आदि। इस प्रकार कुल 22 परिवार हैं जिनकी कार्यसमितियाँ प्रतिमाह बैठक करती हैं, पर्यावरण की वर्तमान और भविष्य की समस्याओं पर विचार करती हैं और उनका हल ढूँढने के लिए कार्यों की योजना बनाती हैं। समस्त परिवारों में स्वच्छता को प्राथमिकता दी गई है और उन्हें धूम्रपान रहित बनाया गया है। वे पूर्णरूप से तम्बाकूरहित भी हो सकें इसके लिए प्रयास जारी है। सदस्यता अभियान अपने पूरे जोरों पर है।

26 जनवरी 2005 को बजाज इलेक्ट्रिकल्स के चेयरमैन एवं प्रबन्ध निदेशक श्री शेखर बजाज ने अपने 30 कर्मचारियों के साथ लोकप्रिय 'मुम्बई मैराथन' में भाग लिया। वे सब 7 किमी0 दौड़े। पर्यावरण की रक्षा के संदेश के साथ पर्यावरण मित्र की टी-शर्ट एवं टोपियाँ पहने हुए थे। इस अवसर पर पर्यावरण मित्र को 1 लाख 55 हजार रु. का अनुदान प्राप्त हुआ।

4 जून 2005 को 'विश्व पर्यावरण दिवस' बजाज इलेक्ट्रिकल्स की सारी शाखाओं में स्वच्छता दिवस के रूप में मनाया गया। इस बात पर विचार विमर्श हुआ कि बिजली, पानी एवं कागज की बर्बादी को कैसे रोका जाय तथा पर्यावरण की रक्षा कैसे की जाय, हवा पानी एवं ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए बहुत से सुझाव सामने आए। पर्यावरण मित्र ने प्रत्येक सदस्य को उसके बहुमूल्य योगदान के लिए प्रशंसात्मक चिन्ह के रूप में एक-एक 'पौधा' भेंट किया। उल्लेखनीय है कि सारे लोगों ने अपने अवकाश के शनिवार का आधा दिन अपने कार्यक्षेत्र एवं आस-पास के क्षेत्र की सफाई में लगाया। पर्यावरण मित्र द्वारा बनायी गयी प्रचार-प्रसार सामग्री और बैनर्स को बजाज इलेक्ट्रिकल्स प्रचारित कर रहा है। तथा अपने कंपनी और डीलर्स की बैठकों, गोष्ठियों में, 'पर्यावरण मित्र' का कम्प्यूटर द्वारा प्रस्तुतीकरण करके इसके उद्देश्य की पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

“

I did not find the world desolate when I entered it. My fathers planted for me before I arrived, so I plant for those who come after me. - Talmud

”



HIND LAMPS LTD. (BULBS AND TUBES FACTORY FOR BAJAJ ELECTRICALSLTD.):

The employees of Hind Lamps in Shikohabad, U.P and its Kosi unit have played a major role in assisting Paryavaran Mitra in a number of activities. Their creativity knows no bounds and they are constantly trying to undertake innovative activities under Paryavaran Mitra. Every festival and every celebration is seen as an opportunity to spread the message of environment protection.

They have been successful in involving the local community including teachers, principals, doctors and even political leaders in the activities undertaken in Shikohabad. It is heartening to see the overwhelming response given by the community towards these activities.

They have managed to incorporate the concept of waste management in their day-to-day lives in the colony where the employees live. The colony consists of 150 houses. The garbage, which accumulates in the individual houses, is separated as wet and dry garbage by each house and then collected in separate containers by a person specially appointed for this. The dry garbage is recycled and the wet garbage emptied into a pit to make organic manure.

## Our Activities

### Awareness Programmes

#### Wall Writings

Awareness activities at Paryavaran Mitra were kick started with 310 huge **Wall Writings** in various public places in Uttar Pradesh namely, Mathura, Vrindavan, Mainpuri, Sirsaganj and Ferozabad. The writings were done in Hindi and local language on yellow background with green, big, bold letters, which were visible from a distance.

These slogans were written in public places such as railway stations, market places, bus stops, schools, colleges, temples, dispensaries and busy highways. The power of the written slogans urged people to 'Grow More Trees', 'Protect the Environment and Keep it Hygienically Clean' and so on. These slogans have



शिकोहाबाद में आयोजित किसान सम्मेलन  
Farmers meeting being held in Shikohabad



लोगों को पानी बचाने के लिए प्रोत्साहित करते एनसीसी कैडेट  
N.C.C. Cadets inspiring people to save water



हिन्द लैम्प्स लिमिटेड (बजाज इलेक्ट्रिकल्स की उत्पादक संस्था) :

हिन्द लैम्प्स लि. शिकोहाबाद एवं इसकी कोसी शाखा (उ.प्र.) के कर्मचारी 'पर्यावरण मित्र' के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इसकी गतिविधियों में रचनात्मक भूमिका निभा रहे हैं। यहां प्रत्येक त्यौहार व उत्सव को पर्यावरण के संदर्भ में आयोजित किया जाता है। उन्हें अपनी गतिविधियों में स्थानीय अध्यापकों, डाक्टर, बुद्धिजीवियों, राजनेताओं एवं जनता का सहयोग मिलता है।

हिन्द परिसर में, जहाँ 150 घर हैं सारे लोगों ने कचरा – प्रबन्धन के सिद्धान्त को आत्मसात कर लिया है। प्रत्येक घर से सूखे व गीले कचरे को अलग-अलग एकत्र कर लिया जाता है। सूखे कचरे को पुनर्चक्रित करने के लिए भेज दिया जाता है और गीले कचरे की जैविक खाद बनाई जाती है।

## हमारी गतिविधियाँ

### जागरूकता कार्यक्रम

#### दीवार पर लेखन :

उ.प्र. के मथुरा, वृन्दावन, सिरसागंज, मैनपुरी, फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों की 310 दीवारों पर पर्यावरण मित्र के नारे लिखकर जोर-शोर से प्रचार किया गया। दीवारों की पीली पृष्ठभूमि पर हरे रंग से बड़े-बड़े अक्षरों में हिन्दी एवं स्थानीय बोलियों में ये नारे लिखे गए हैं जो दूर से ही दिखाई देते हैं। इसके लिए बाजार, रेलवे स्टेशन, स्कूल-कालेज, दवाखानों, मन्दिर, बस स्टैण्ड एवं सार्वजनिक स्थानों का उपयोग किया गया है। लिखे गये नारे लोगों को प्रेरित करते हैं। इन नारों से समुदाय पर उत्कृष्ट प्रभाव पड़ा है तथा उनकी जीवन शैली को परिवर्तित करने में अच्छी सफलता मिली है। बैनर और होर्डिंग्स भी इन स्थानों पर लगाए गए हैं।

Made an effective impact on the community and this is already evident from their changing lifestyles. Banners and hoardings on similar themes were also put up in these areas.

### Membership Drive

The **Membership Drive**, started with a view to enrol people who believed in the goals of Paryavaran and wanted to make a change, is gaining momentum slowly and gradually. The total no. of members so far is Honorary Life Members:2 Life Members: 11 Patron Members:25 Ordinary Members: 830 (Membership form enclosed).

### Promotional Campaign

**Promotional Material** consisting of posters, handbills, stickers, pamphlets and banners were specially created and designed with messages and the least number of things that people could do to prevent air, water, noise and land pollution with a logo of Paryavaran Mitra. These are being distributed among members and put up in office premises, cars and other strategic places to raise awareness about pollution prevention.

## Memorable Events

### Rang Barse

March' 2005 saw a unique celebration of **Holi**. Using non-chemical dry colours and natural flower colours, people of Hind Lamps celebrated Holi with a lot of excitement. Mr. Shekhar Bajaj and Mrs. Kiran Bajaj, President-Parayavaran Mitra were among the Holi revellers. (Photo alongside)

### World Forest Day

**World Forest Day** was celebrated at Shikohabad on 21<sup>st</sup> March'2005. Shri Sunderlall Bahuguna and his wife Smt.Vimla Bahuguna both recipients of the Jamnalal Bajaj Award and the protagonist of the **Chipco Movement** graced the programme with their presence. In his inspiring speech, Mr. Bahuguna emphasized that water should not be wasted and advised planting a new tree on the birthday of every child. He added that we should look out for alternatives to crops needing more water, and grow trees which need less water but

#### President:

Mrs. Kiran Bajaj

#### Vice President:

Mr. B. P. Singhal

#### Secretary:

Dr. S. K. Dubey

#### Deputy Secretary:

Dr. Rajni Yadav

#### Treasurer:

Mr.Umashanker Kulshrestha

#### Deputy Treasurer:

Mr. Harendra Maheshwari

#### Project Co-ordinator:

Mrs. Kavita Mohite

#### Hon. Life Members:

Shri Sunderlal Bahuguna,

Smt. Vimla Bahuguna,

#### Life Members:

Bajaj Electricals Ltd,

Shri Anant Bajaj

Ms. Geetika Bajaj

Smt. Kiran Bajaj

Shri Shekhar Bajaj

Shri O P Dhanuka

Shri P L Dhanuka

Hercules Hoists Ltd.

Hind Lamps Staff Club

Smt. Urmila Pasari

Shri Krishnachandra Shastri (Thakurji)



कुदरती रंगों के साथ होली की धूमधाम  
Holi being celebrated with natural colours



श्रीमती एवं श्री बहुगुणा वृक्षारोपण करते हुए  
Mrs & Mr. Bahuguna planting a sapling

### सदस्यता अभियान

जिनको पर्यावरण के उद्देश्यों में विश्वास है तथा जो कुछ करना चाहते हैं उनके लिए सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है जो कि शनैः-शनैः गति पकड़ रहा है। इस समय 2 मानद आजीवन सदस्य, 11 आजीवन सदस्य, 25 संरक्षक सदस्य एवं 830 साधारण सदस्य बन चुके हैं (सदस्यता फार्म संलग्न हैं)।

### प्रचार अभियान

पोस्टर, हैण्डबिल, स्टिकर, बैनर आदि 'पर्यावरण मित्र' के उद्देश्यों के प्रचार-प्रसार के लिए बनाए गए हैं। हवा, पानी, पृथ्वी एवं ध्वनि प्रदूषण मुक्त करने के लिए कम से कम कोई क्या कर सकता है, इसको पर्यावरण मित्र के 'प्रतीक चिन्ह' के साथ दर्शाता हुआ पोस्टर विशेष उल्लेखनीय है। इन सबको सदस्यों में बाँटा जाता है। कार्यक्षेत्र एवं विशिष्ट स्थानों पर लगाया जाता है जिससे कि प्रदूषण रोकने की जागरूकता बढ़े।

## उल्लेखनीय कार्यक्रम

### रंग बरसे

श्री शेखर बजाज एवं श्रीमती किरण बजाज ने हिन्द लैम्प्स शिकोहाबाद में 'होली' का त्यौहार, गैर रासायनिक एवं फूलों के रंगों के साथ, धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया।

### विश्व वानिकी दिवस

विश्व वानिकी दिवस, 21 मार्च 2005 को शिकोहाबाद में बड़े भावनात्मक रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जमनालाल बजाज पुरस्कार से विभूषित एवं 'चिपको आन्दोलन' के कर्णधार श्री सुन्दरलाल बहुगुणा एवं श्रीमती विमला बहुगुणा मुख्य अतिथि थे। श्री बहुगुणा ने अपने प्रेरणादायक भाषण में कहा कि हर बच्चे के जन्म दिन पर एक वृक्ष लगाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हमें वैसी



increase the water level and are good for the atmosphere.

### World Water Day

A seminar on the occasion of **World Water Day** was held in Shikohabad on 22<sup>nd</sup> March'05 to discuss the issues and concerns related to water conservation. The seminar was graced by the C.D.O. (Chief Development Officer) Mr. Rajmani Yadav. While expressing his views on the same he said "whenever a policy with regard to water is formulated, the women's opinion should necessarily be sought because it is they who know the importance of water to a household". Mrs Kiran Bajaj on this occasion reiterated that "it is the right of every human being to have clean air and clean water and saving a drop of water is equal to saving a drop of blood".

A grand rally by the people of Shikohabad to spread the message of **Save Water** was undertaken on 26<sup>th</sup> September'04 in which a total of 402 N.C.C cadets participated.

### World Environment Day

On 5<sup>th</sup> June'2005 World Environment Day was celebrated in an unusual way in Shikohabad with the organization of a rally similar to a human chain. It was truly a historical event as this was the first time that such a rally was being held. The rally, which had started with 300 energetic women, men and youngsters, snowballed into 1000 people by the time it had reached Shikohabad town. They chanted slogans on preserving our natural resources, preventing pollution and the like. The response and support given by the local community to this event was overwhelming.

### Har Har Gange

On 17<sup>th</sup> June'2005, Ganga Dassehra, a traditional festival to worship river Ganga was celebrated near a stream by the local people in Shikohabad. Members of Paryavaran Mitra erected a stall nearby where they distributed drinking water to the villagers and with their promotional material and talks showed them how to keep our rivers clean.

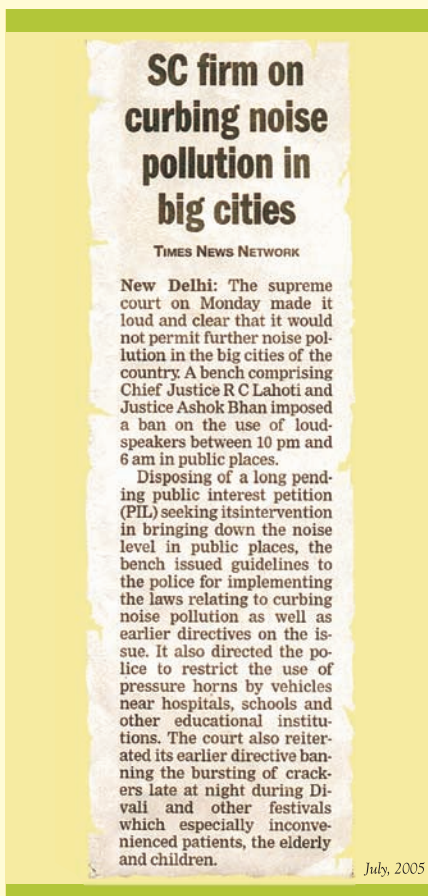
**Did you know?**

If present trends of extinction continue, a quarter of the world's species of plants could vanish within 50 yrs.

(Source: [www.sanctuaryasia.com](http://www.sanctuaryasia.com))



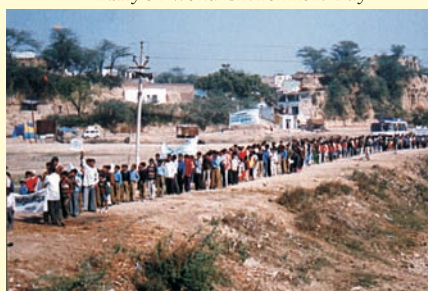
विश्व जल दिवस पर सेमिनार  
A Seminar on World Water Day



July, 2005



विश्व पर्यावरण दिवस पर एक रैली  
A Rally on World Environment Day



विश्व पर्यावरण दिवस पर मानव श्रृंखला का निर्माण  
Formation of a human chain on World Environment Day

फसल, पौधे तथा पेड़ उगाने चाहिए जिन्हें कम पानी की आवश्यकता हो और जिससे भूमिगत जल के स्तर में वृद्धि हो तथा वातावरण स्वच्छ रहे।

### विश्व जल दिवस

विश्व जल दिवस, 22 मार्च 2005 के अवसर पर जल संरक्षण से जुड़ी समस्याओं पर विचार विमर्श के लिए विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री राजमणि यादव ने कहा, "जल से सम्बन्धित कोई योजना बनाते समय महिलाओं को अवश्य सम्मिलित करना चाहिए। चूंकि वह घर चलाती हैं अतः जल की महत्ता अधिक समझती हैं" इस अवसर पर श्रीमती किरण बजाज ने कहा, "शुद्ध हवा और पानी, हर मनुष्य का अधिकार है और आज की बदलती परिस्थितियों में पानी की एक बूंद बचाना रक्त की एक बूंद बचाने के बराबर है"

जल की महत्ता को जन सामान्य में प्रचारित करने के लिए शिकोहाबाद के 402 एन.सी.सी. कैडिट्स द्वारा "पानी बचाओ संदेश यात्रा" 26 सितम्बर 2004 को निकाली गई।

### विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस, 5 जून 2005 को शिकोहाबाद में ऐतिहासिक रूप में मनाया गया। पहली बार समाज के हर पक्ष — पुरुष, स्त्री, छात्र, नागरिक इसमें सम्मिलित हुए। 'प्रभात फेरी' के रूप में रैली सुबह 5:30 बजे हिन्द परिसर से प्रारम्भ हुई और शिकोहाबाद नगर में घूमी। रैली में भाग लेने वाले वायु, ध्वनि, जल एवं पृथ्वी के प्रदूषण को रोकने सम्बन्धित बैनर, पोस्टर, नारे लिखे तख्तियां लिये हुए थे। पर्यावरण के गीत गाये जा रहे थे। इसमें लगभग 1000 व्यक्ति सम्मिलित हुए।

### हर-हर गंगे

17 जून 2005 को गंगा दशहरा पर्व शिकोहाबाद की गंगा नहर पर कार्यक्रम उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नदियों के प्रदूषण एवं जल-संकट को रोकने के लिए

### Cleanliness Next to Godliness

On 5<sup>th</sup> February'2005, a **cleaning campaign of Yamuna Ghats** at Bateshwar (a sacred pilgrimage consisting of a series of 108 holy Shiv Lings in Uttar Pradesh near Agra) was organised by students and members of Paryavaran Mitra. They joined hands in cleaning the garbage and plastic lying on the banks of the river.

Similarly, slogans were also painted on the walls of the ghats. The local people and the pujaris were given talks on keeping the banks and the Yamuna river clean.



यमुना घाटों की सफाई का अभियान  
Cleaning of Yamuna Ghats Campaign



लोगों को वृक्षारोपण हेतु प्रोत्साहित करने के लिए एक साइकिल रैली में स्वयंसेवकगण  
Volunteers participating in a cycle rally urging people to grow more trees

अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज का संदेश श्रद्धालुओं में बाँटा गया। पर्यावरण मित्र के सदस्यों ने एक छोटा स्टॉल लगाया और गांव-वालों को पीने का पानी वितरित किया।

### स्वच्छता ही भगवत्ता है

5 फरवरी 2005 को पर्यावरण मित्र के सदस्यों और छात्रों द्वारा बटेश्वर में (आगरा के निकट शिव के 108 मन्दिरों का तीर्थ) यमुना घाट की सफाई करने का अभियान चलाया गया जिसके अन्तर्गत नदी के घाटों पर पड़े हुये कूड़े, प्लास्टिक आदि को हटाया गया। सम्बन्धित पर्यावरण नारे, घाटों पर लिखे गये। पर्यावरण मित्र के सदस्यों ने स्थानीय लोगों एवं पुजारियों को यमुना और उसके घाटों को साफ सुथरा तथा स्वच्छ रखने का उत्तरदायित्व वहन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

क्या आप जानते हैं?

यदि वर्तमान स्थिति जारी रही तो विश्व के पेड़-पौधों की 25 प्रतिशत जातियाँ अगले 50 वर्ष में विलुप्त हो जायेंगी।

(Source: [www.sanctuaryasia.com](http://www.sanctuaryasia.com))

## Ongoing ProjectS

### Grow More Trees

In May'2005, a group of self-motivated volunteers of Paryavaran Mitra under the leadership of Mr. O. P. Khanduri, Senior Assistant General Manager, Administration, Hind Lamps set on a cycle journey in scorching heat in the surrounding villages of Shikohabad to propagate the importance of growing trees. Everyday while visiting the chosen 3-4 villages, the team planned alongwith the villagers, the no of trees to be planted, which trees to plant, where to plant and who would be responsible to take care of them.

The need to protect nature for a happy and healthy life was conveyed to the village community. Nearly 970 villagers from 45 villages were visited.

People were thrilled and happily accepted the responsibility of digging the pits and planting trees. They volunteered to protect the plants in the best possible manner.

Though the demand made was for 12,500 trees, 10,000 saplings have been planted by the end of July 2005. Paryavaran Mitra will be bearing the cost and transportation of the saplings and will be supervising the whole project. The trees are mainly fruit

## सतत गतिविधियाँ :

### आओ पेड़ लगाएं

श्री ओ. पी. खण्डूड़ी, वरिष्ठ सहायक महाप्रबन्धक, हिन्द लैम्प्स के नेतृत्व में स्वयंसेवकों का एक जत्था, मई मास की तपती धूप में शिकोहाबाद अंचल के ग्रामों में, वृक्षारोपण को प्रचारित एवं प्रोत्साहित करने के लिए घूमा। प्रत्येक दिन में 3-4 गाँव घूमकर, ग्राम वासियों से बात कर यह जाना गया कि कौन से पेड़ लगाने हैं, कितने पेड़ लगाने हैं, कहाँ लगाने हैं और कौन उनकी रक्षा करेगा?

45 गाँवों के लगभग 970 लोगों से सम्पर्क किया गया। ग्राम वासियों ने प्रसन्न होकर गड़ढे खोदने, पेड़ लगाने एवं स्वयं ही पेड़ों की रक्षा करने की जिम्मेदारी ली। हालांकि 12500 पेड़ों की माँग थी पर इस मौसम में लगभग 10000 पेड़ लगा दिये गये हैं। फलों के तथा पर्यावरण को शुद्ध रखने वाले पेड़ जैसे — आम, आँवला, नीम आदि पर ज्यादा जोर दिया जाएगा। आशा की जाती है



bearing and eco-friendly such as Mango, Amla, Neem, etc. It is expected that these trees will provide a good source of income and improve the environment in the villages planting the saplings.

#### Lessons for our Farmers

From 12<sup>th</sup> to 20<sup>th</sup> June'2005, in UP near Ferozabad, 373 farmers and 29 villages were approached for organic farming.

Every morning and evening, **farmers meetings** were organised in the houses of village leaders and central places of the villages in Shikohabad to educate the farmers on the ill effects of using chemical fertilisers and pesticides. They were also informed about vermicompost and organic farming methods. We plan to distribute earthworms free of cost to these farmers in the coming months.

#### Eat Healthy, Stay Healthy

A milestone for Paryavaran Mitra is its success in the production of **Organic Food**. 1600 kgs of wheat was grown free of pesticides and chemicals. What sets it apart from other products is that it is available at a very reasonable rate i.e. Rs. 20 per kg as opposed to the market rate of approx. Rs.50 per kg.

This method was also used to grow 120 quintals of potatoes and other vegetables. 250 kgs of manure was produced from earthworms.

#### Learning with Children

Children and youngsters are the foundation on which our nation's future will depend. For this a number of elocution, essay, quiz, drama and painting competitions were organised in which students participated in large nos and were thoroughly enjoyed by the students.

We have started a unique **Quiz Competition** for students and others in Shikohabad, which includes 10 questions on environment every month starting from June'05 till the end of the year. Winners are given prizes every month and the best performer will be awarded at the end of the year.

## Other Enthusiastic Efforts

Other Paryavaran Mitras have been supporting the cause in their own way. A few examples are:

- Shri Shrikrishnachandraji Shastri (Thakurji), (Pundit and Scholar of the Shreemad Bhagwat and Life Member of Paryavaran Mitra) in his regular spiritual discourses, connects the importance of nature with every aspect of Lord Krishna's life.
- Mr. Umashankar Sharma, a social worker and the officers of district administration in Shikohabad persistently urge people to use less polythene and plastic and maintain a clean environment.
- Mr. P. L. Dhanuka (Life Member) and Mr. O. P. Dhanuka (Life Member and Industrialist) in Vrindavan and Bihar are taking keen interest and efforts in plastic bags removal, awareness on organic farming and planting trees. They have distributed 1000 cloth bags at subsidised rates @ Rs. 5/- and will be distributing 2100 more bags. People are willing to buy them in place of plastic bags.

इससे ग्रामवासियों को स्वस्थ वातावरण एवं आय के साधन भी प्राप्त होंगे।

पेड़ों की पौध जुलाई 2005 के अन्त तक लगायी जायेगी। इसकी लागत तथा लाने ले जाने एवं निरीक्षण का उत्तरदायित्व पर्यावरण मित्र पर रहेगा।

#### कृषक मिलन अभियान

12 जून 2005 से 20 जून 2005 तक सुबह-शाम चौपालों, खेतों, पंचायत घरों आदि जगहों पर सभाएं आयोजित कर जैविक कृषि एवं खाद के प्रचार-प्रसार के लिए अभियान चलाया गया। इसमें शिकोहाबाद अंचल के 29 ग्रामों का भ्रमण किया तथा 373 कृषकों से सम्पर्क कर उन्हें रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों के दुष्परिणामों से अवगत कराया तथा उन्हें जैविक खाद उत्पादन एवं जैविक कृषि करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

आगामी महीनों में इन कृषकों को पर्यावरण मित्र की ओर से जैविक खाद के लिए केंचुए मुफ्त दिये जायेंगे तथा अन्य सहायता दी जायेंगी।

#### स्वस्थ खाओ-स्वस्थ रहो

जैविक उत्पादन के क्षेत्र में पर्यावरण मित्र ने एक बड़ी सफलता अर्जित की है। 1600 किलो गेहूँ को बिना रासायनिक खाद के उगाया गया (यह गेहूँ 50 रु किलो के बाजार मूल्य की तुलना में 20 रु किलो में उपलब्ध है)। 250 किलो केंचुआ खाद का निर्माण किया गया। 120 कुन्तल आलू भी जैविक खाद की प्रचुरता से पैदा किया गया।

#### छात्रों के साथ संवाद

हमारे देश का भविष्य हमारे नौनिहालों एवं युवाओं पर टिका है। पर्यावरण चेतना जगाने के लिए, शिकोहाबाद और उसके आस-पास के स्कूलों में वाद-विवाद, भाषण, प्रश्नोत्तरी, नाटक एवं पोस्टर प्रतियोगिता के विभिन्न स्तरों पर भांति-भांति के कार्यक्रम, पर्यावरण मित्र द्वारा आयोजित किये गये।

प्रश्न प्रहर-पर्यावरण मित्र ने पर्यावरण प्रश्नोत्तरी का एक कार्यक्रम जून 2005 से शिकोहाबाद वासियों के लिए प्रारम्भ किया है। यह वर्ष अन्त तक चलेगा। इसमें प्रतिमाह 10 प्रश्न पूछे जायेंगे। विजेताओं को पुरस्कार दिये जायेंगे एवं वर्ष के अन्त में सबसे अच्छे प्रतिभागी को विशिष्ट पुरस्कार दिया जायेगा।

## अन्य उत्साहजनक प्रयास

कुछ पर्यावरण मित्रों ने अपने-अपने स्तर पर निम्न प्रकार से सहयोग किया:

- श्रीमद्भगवद् के विद्वान पंडित और पर्यावरण मित्र के आजीवन सदस्य श्री श्रीकृष्णचंद्रजी शास्त्री (ठाकुरजी) अपने नियमित प्रवचनों के माध्यम से पर्यावरण और श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े पहलुओं की महत्ता रेखांकित करते हैं।
- समाजसेवी श्री उमाशंकर शर्मा तथा शिकोहाबाद जिला प्रशासन के अधिकारी ने नगर की जनता से पर्यावरण स्वच्छ रखने तथा पॉलीथिन प्रयोग न करने के लिए निवेदन करते रहते हैं।
- श्री पी.एल. धानुका (आजीवन सदस्य) और श्री ओम प्रकाश धानुका

● Dr. A.K. Ahuja, President of the Indian Medical Association in Shikohabad advises his patients on the harmful effects of smoking and gutkha to themselves as well as to others. He is the Director of Young Scholars Academy. He has organised an essay competition on Environment-Our Life Support System and a rangoli competition using natural flower colours besides many other activities.

● Dr. O.P Singh, Principal of Paliwal Post Graduate Degree College in Shikohabad organised a debate titled 'It is Possible in the Modern Times to Live in a Pollution Free Environment'. He is actively encouraging the school to grow more trees and make the surroundings green. He is also making efforts to include environment as a necessary component of the curriculum in schools.

● Dr. Rajani Yadav, Director and Principal of Gyandeep School in Shikohabad has organised a meeting and discussion on Lord Krishna and the Environment, poetry competition on What Do Trees Give Us, a dance and drama competition named Maine Kaha Phoolon Se and a poster competition.

## Our Gratitude

We are thankful to:

- ❖ *The management and employees of Bajaj Electricals for extending their whole-hearted support and cooperation towards Paryavaran Mitra.*
- ❖ *Each and everyone of Hind Lamps Ltd., Shikohabad who are constantly helping us in all our activities.*
- ❖ *Mr. Mukul Upadhyay (Touchstone Advertising) for designing the promotional material, logo and newsletter and giving their valuable time and continuous efforts with all aspects of Paryavaran Mitra.*
- ❖ *Mr. Kakkad (Manager, Adwell Advertisers, Agra) for doing the wall paintings in Shikohabad.*
- ❖ *Editors and Journalists of Amar Ujjala, Dainik Jaagran and Dainik Aaj, (popular newspapers in Hindi speaking states) for giving coverage to the activities of Paryavaran Mitra through newspapers.*
- ❖ *Mrs Urmila Pasari and Mrs Shobha Kanoi (Founders of Karmayog, an NGO based in Kolkatta) for making their hand-made stationary, cards and gifts for Paryavaran Mitra.*
- ❖ *All our Members and Parivars for their valuable contribution and for believing in and following the principles of Paryavaran Mitra.*

**Paryavaran Mitra**, Dr. Subodh Dubey, Hind Lamps Parisar, Shikohabad-205141 Phone: (05676) 234501-503, 234400  
E-mail: hindlamps@sify.com

**Mumbai Unit: Paryavaran Mitra**, Kavita Mohite, Bajaj Electricals Limited, M.G. Road, Mumbai-400023 Phone: (022) 22043733  
E-mail: paryavaran\_mitra@bajajelectricals.com  
Website: www.paryavaranmitra.com

(आजीवन सदस्य एवं उद्योगपति) : वृन्दावन तथा बिहार में प्लास्टिक (पॉलीथिन) थैलियों को हटाने, जैविक कृषि एवं वृक्षारोपण के प्रचार प्रसार में काफी रुचि लेकर पूर्ण सहयोग दे रहे हैं। इन्होंने कपड़े की 1000 थैलियों का वितरण 5 रु प्रति थैली की दर से कराया और 2100 थैलियों का वितरण करेंगे। लोग प्लास्टिक थैलियों की जगह इन थैलियों को बड़े उत्साह से खरीद रहे हैं।

● डा. ए. के. आहूजा : इण्डियन मेडीकल एसोसिएशन, शिकोहाबादशाखा के अध्यक्ष, यंग स्कोलर्स स्कूल के निदेशक ने धूम्रपान एवं गुटखा से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में रोगियों एवं सामान्य जनों को चेताया। उन्होंने अन्य कार्यक्रमों के अतिरिक्त पर्यावरण पर निबन्ध प्रतियोगिता "पर्यावरण हमारे जीवन का आधार", रंगोली प्रतियोगिता (प्राकृतिक फूलों के रंगों से) आयोजित कराई।

● पालीवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डा. ओ. पी. सिंह ने "वर्तमान परिवेश में पर्यावरण को प्रदूषण रहित किया जा सकता है" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित करायी। उन्होंने सक्रिय रूप से विद्यालयों को वृक्षारोपण एवं वातावरण को हरा-भरा बनाने के लिए प्रेरित किया तथा विद्यालयों में पर्यावरण को पाठ्यक्रम का अंग बनाने की पहल की।

● ज्ञानदीप विद्यालय, शिकोहाबाद की निदेशक तथा प्रधानाध्यापिका डा. रजनी यादव ने अपने विद्यालय में 'कृष्ण और पर्यावरण' विषय पर संगोष्ठी व बैठक, 'वृक्ष हमें क्या देते हैं' कविता प्रतियोगिता, 'मैंने कहा फूलों से' नाटक व नृत्य तथा पोस्टर प्रतियोगिता इत्यादि आयोजित किए।

## हम आभारी हैं

- ❖ बजाज इलेक्ट्रिकल्स के प्रबन्धक वर्ग एवं कर्मचारियों के जिन्होंने 'पर्यावरण मित्र' के सरोकारों में अपना पूर्ण योगदान, पूरे मन से दिया है।
- ❖ हिन्द परिवार के सदस्यों के, जिनका सहयोग हमें बराबर मिल रहा है।
- ❖ श्री मुकुल उपाध्याय (टचस्टोन एडवर्टाइजिंग) के जिन्होंने अपना बहुमूल्य समय और ऊर्जा 'पर्यावरण मित्र' के प्रत्येक आयाम में दिया।
- ❖ दीवारों पर लेखन के लिए श्री विजय कक्कड़ (एडवेल एडवर्टाइजिंग एजेन्सी, आगरा) के।
- ❖ 'अमर उजाला', 'दैनिक जागरण' तथा 'दैनिक आज' के संवाददाताओं एवं सम्पादकों के, जिनका पर्यावरण मित्र को निरन्तर सहयोग मिल रहा है।
- ❖ 'पर्यावरण मित्र' के लिए हस्तनिर्मित लेखन सामग्री निर्माण के लिए कोलकाता की प्रसिद्ध स्वयंसेवी संस्था 'कर्मयोग' की संस्थापिकाओं श्रीमती उर्मिला पसारी तथा श्रीमती शोभा कनौड़ के।
- ❖ 'पर्यावरण मित्र' के समस्त सदस्यों एवं परिवारों के जो न केवल सदस्य बने हैं वरन् प्रत्येक गतिविधि में अपना सार्थक योगदान कर रहे हैं।

**पर्यावरण मित्र** : डा. सुबोध दुबे, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद-२०५१४१, फ़ोन : (०५६७६) २३४५०१-५०३, २३४४००  
ई-मेल hindlamps@sify.com

**मुंबई इकाई : पर्यावरण मित्र** : कविता मोहिते, बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, एम.जी. रोड, मुंबई-४०० ०२३. फ़ोन : (०२२) २२०४३७३३  
ई-मेल:paryavaran\_mitra@bajajelectricals.com  
वेबसाइट: www.paryavaranmitra.com